सांसे हो रही हैं कम, आओ पेड़ लगायें हम

शाश्वत कृषि और वानिकी तंत्र अपनाए।
बेहतर तथा समृद्ध भविष्य पाए।

अनोखी विपणन प्रणाली: कंपनी की हरितगृहों से पौधे सीधे आपके खेत पर पहुँचाए जाते है।
कोई अतिरिक्त परिवहल शुल्क नहीं लिया जाता ।

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN
(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

सेब के खेती

सेब की खेती भारत के कई प्रांतों में होती है। कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में सेब की कई नस्लें पैदा की जाती हैं। इन प्रदेशों में उन्नत किस्म के सेब की खेती होती है। पर अगर अनुकूल वातावरण मिले तो यह सेब कहीं भी पैदा हो सकते हैं।

यह बात सही भी है कि सेब के पेड़ उगाने के लिए ऐसी आबोहवा की जरूरत होती है जो पहाड़ी इलाकों में ही पाई जाती है. इस के बावजूद वैज्ञानिक ऐसी तकनीक विकसित करने में लगे रहते हैं जिस से सेब को किसी तरह मैदानी इलाकों में भी उगाया जा सके.

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

मिट्टी एवं जलवायु

सेबों का अच्छी तरह से सूखी दोमट मिट्टी जिसकी गहराई 45 से.मी. और पीएच की पीएच सीमा 5.5-6.5 हो, पर उत्तम पैदावार होती है। मिट्टी हाई अधःस्तर और जल-मग्न परिस्थितियों से मुक्त होनी चाहिए। भारी मित्तिका वाली मिट्टियों अथवा कॉम्पैरक्टि अधोभूमि से बचना चाहिए।

सेब एक शीतोष्ण फल फसल है। तथापि भारत में सेब उत्पादन क्षेत्र शीतोष्णन कटिबंध क्षेत्र में नहीं आते हैं परन्तु इस क्षेत्र की प्रचलित समशीतोष्ण जलवायु हिमालयी पर्वतमालाओं और ऊँचे स्थानों के कारण है।
सेबों की उन क्षेत्रों में उत्तेम पैदावार होती है जहां पेड़ सर्दी में निर्बाध आराम और अच्छेल रंग विकास के लिए प्रचुर मात्रा में धूप अनुभव करते हैं।

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

सिंचाई

महत्वपूर्ण अवधियों के दौरान सूखे की स्थिति में अनुपूरक सिंचाई की जानी चाहिए आमतौर पर दिसम्बर-जनवरी में खाद डालने के तत्काल बाद बगीचों की सिंचाई की जाती है। गर्मी की अवधियों के दौरान, 7-10 दिनों के अन्त राल पर फसल की सिंचाई की जाती है। फल सैटिंग अवस्था के बाद फसल की साप्ताहिक अन्तरालों पर सिंचाई की जाती है। फसल-कटाई से पहले के पखवाड़े के दौरान पानी का अनुप्रयोग फल के रंग में स्पष्ट रूप से सुधार करता है। उसके ब्राडोरमेंसी की शुरूआत तक 3-4 सप्ताह के अन्तराल पर सिंचाई की जाती है।

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN
(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

खाद

उर्वरक की मात्रा मिट्टी की उर्वरता और फसल पर अनुप्रयोग की गई जैविक खाद की मात्रा पर निर्भर करती है। सामान्यी तौर पर, पूरी तरह से विकसित पेड़ों के लिए विभाजित मात्राओं में 350 जी एन, 175 जी पी2ओ5 और 350 जी के2ओ प्रति पौधा प्रतिवर्ष के अनुप्रयोग की सिफारिश की जाती है

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN
(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

किस्में

1. HRMN-99
2. Cripps Pink / Pink Lady.
3. Empire.
4. Fuji. Learn More.
5. Gala. Learn More.
6. Golden Delicious.
7. Granny Smith.
8. Honeycrisp.
9. McIntosh.

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN

www.kaushalkisangroup.com

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN
(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

मल्चिंग

तिनका, फूस, बुरादा, बलूत के पत्तों के साथ मल्चिंग अथवा अन्य जैविक तत्व मिट्टी के खाद-मिट्टी तत्व और इसकी नमी धारण क्षमता में वृद्धि कर देते हैं। विभिन्न प्लास्टिक और पोलीथिन मल्च भी प्रयोग किए जाते हैं। कूलर जलवायु परिस्थितियों में काली अल्काथीन मल्च खरपतवार नियंत्रण और नमी संरक्षण में बहुत प्रभावी है। यह फल गिराव में कमी लाने और फल के आकार, रंग और गुणवत्ता में सुधार लाने में भी मदद करता है।

www.kaushalkisangroup.com

KAUSHAL KISAN
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN
(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

छंटाई

छंटाई एक बहुत महत्वपूर्ण पद्धति है जो पेड़ सत्व और उत्पादकता को बढ़ावा देती है। छंटाई फलदार शाखाओं की ओर सैप फ्लो विपथन को ध्यान में रखकर किया जाता है और पौधों को अधिक फल वहन करने के लिए शक्ति देता है। अथवा जोरदार वानस्पतिक वृद्धि को प्रवृत्त करता है। छंटाई के दौरान, कमजोर तथा विकृत शाखाओं को पेड़ से काट दिया जाता है। आमतौर पर, पेड़ों की छंटाई प्रत्येक वर्ष दिसम्बर-जनवरी माह में की जाती है।

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

कौशल किसान ग्रुप ऑफ़ कम्पनी द्वारा किसानों को मुफ्त में दी जाने वाली सेवाएं :-

- पौधों को किसानो के घर या खेत तक पहुंचाने के लिए मुफ्त वाहन सुविधा उपलब्ध करवाई जाती है।
- क्षतिग्रस्त पौधों की प्रतिस्थापना। यह सुबिधा सिर्फ एक बार के प्रतिस्थापन के लिए होती है ।
- २ साल तक कंपनी के कर्मचारियों द्वारा समय समय पर देखभाल की सुविधा दी जाती है।
- किसी भी सुझाव या शिकायत के लिए हमारे प्रतिनिधियों से मुफ्त तकनिकी सेवा फ़ोन द्वारा या ब्यक्तिगत रूप में ले सकते हैं
- किसी भी सुझाव या शिकायत के लिए कम्पनी का टोल फ्री नंबर उपलब्ध है -18001236246

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

Corp. Office : H.No. 265, Opp.Tejaji Ka Mandir, Khedli Phatak, Kota Raj. - 324001 | Ph.: 0744 2323168

Branch Office : Plot.No. 194, R K Business Centre, Near, Shivaji Nagar, Nagpur, Maharashtra - 440010

Branch Office : Malaviya Chowk, Wing - B, 7th Floor, Ofiice No. 5, Gondal Road, Rajkot (GUG)

Branch Office : Near Agarwal Dharamshala, Sec. 11, Hiran Mangri, Udaipur Rajasthan - 313001

Toll Free No. 18001236246 | **Website :** www.kaushalkisan.com | www.navjeevanbio.com